परम्परागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत डिजिटल माध्यम से विशेषज्ञों के साथ कृषक संवाद

दिनांक 10.07.2020 को रिलायंस फाउंडेशन द्वारा डूंडा विकास खंड के किसानों के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चिन्यालीसौड़ के विशेषज्ञों के साथ मिलकर डिजिटल माध्यम से कृषक संवाद का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ पंकज नौटियाल , डॉ गौरव पपने एवं रिलायंस फाऊंडेशन के प्रतिनिधि नासीर अली विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए और किसानों को निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध करवाई।

१. आगामी लगाये जाने वाली फसलों एवं बिमारियों के रोकथाम।

२. वर्तमान में खेतों में खड़ी फ़सलों में में कीट प्रबंधन , जेविक कीट नाशक बनाने की विधियां।

परम्परागत कृषि विकास योजना की कार्य योजना पर डॉ पंकज नौटियाल एवं डॉ गौरब पपने द्वारा विस्तार से जानकारी दी।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण चर्चा में -

- गहत, मक्का एवं तोर की बुवाई के समय बीज शोधन एवं भूमि उपचार
- बरसात सीजन में फ़सलों के बचाव हेतु जेविक कीट नाशक (सेडोमोनास , ट्राईकोड्रमा एवं नीम ऑयल) से कीट प्रबंधन।
- टमाटर, शिमला मिर्च, बेंगन आदि सब्जियों में बरसात में आने वाली बीमारी से बचाव के उपाय।
- चौलाई की फसल का कीट प्रबंधन
- अमृत घोल एवम् अन्य जैविक कीट नाशक बनाने की विधि।
- परम्परागत कृषि विकास योजना के अन्तर्गत चयनित गाँवों के 50 कास्तकारो का जेविक खेती में रजिस्ट्रेशन हो चुका एवं सभी कास्तकारों का स्कोप साट्रिफिकेट आ चुका है जो एक कार्यक्रम की बड़ी सफलता है और अब किसान अपनी फसल को आने वाले समय में निर्धारित अवधि पूरा करने के बाद जैविक प्रमाणीकरण के साथ बाजार में देने में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम में रिलायंस फाउंडेशन के कमलेश गुरुरानी , नासीर अली, भूपेंद्र रावत और कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ पंकज नौटियाल , विषय विशेषज्ञ डॉ गौरव पपने एवम् डूंडा विकास खंड के एवं 11 गाँव जसपुर, डांग, मशून, ओल्या, पटारा, पुजार गांव, बांदू , लोलदा आदि से 13 महिला 20 पुरुष एवं 3 समुदाय संदर्भ व्यक्तियों (CRP) समेत कुल ४१ प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।